भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 447#
गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

स्थानीय पर्यटन क्षेत्र का विकास

447# डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा स्थानीय पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए बनाई गई पर्यटन नीति क्या है, और उत्तर प्रदेश में इस नीति के तहत शामिल किए गए स्थलों का जिले-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार द्वारा नई दिल्ली के पास हस्तिनापुर, गढ़मुक्तेश्वर और बोहला झाल के प्राचीन ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझते हुए उन्हें महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): वर्तमान राष्ट्रीय पर्यटन नीति, राष्ट्रीय पर्यटन संवर्धन का मार्गदर्शन करने के लिए एक समग्र नीति दस्तावेज है । अत: इसमें देश के पर्यटक गंतव्यों के जिला-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरे शामिल नहीं हैं ।

तथापि, पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वितीय सहायता प्रदान करता है ।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों का विकास करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है ।

उत्तर प्रदेश राज्य में उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है ।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं । इन प्रस्तावों को निर्धारित प्रावधानों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन परियोजनाओं में विस्तारित कर दिया जाता है।

*****

अनुबंध

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी द्वारा स्थानीय पर्यटन क्षेत्र का विकास के संबंध में दिनांक 25.07.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 447# के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56
2.	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09
3.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर-अलीगढ़-कासगंज-सरोसी (उन्नाव)-प्रतापगढ़-कौशांबी-मिर्जापुर-गोरखपुर-डुमरियागंज-बस्ती-बाराबंकी-आजमगढ़-कैराना-बागपत-शाहजहांपुर का विकास	71.91	69.63
4.	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर-मेरठ-कानपुर-कानपुर देहात-बांदा-गाजीपुर-सलेमपुर-घोसी-बलिया-अंबेडकरनगर-अलीगढ़-फतेहपुर- देवरिया-महोबा-सोनभद्र-चंदौली- मिश्रिख-भदोही का विकास।	67.51	64.14
5.	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआ शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	36.65	32.27
6.	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21	115.46
7.	आध्यात्मिक परिपथ	जेवर-दादरी-सिकंदराबाद-नोएडा-खुर्जा-बांदा का विकास	12.03	11.43

	2018-19			
8.	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	18.12

स्वदेश दर्शन 2.0

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**गंतव्य**	**हस्तक्षेपों के नाम**	**स्वीकृत लागत**
1	नैमिषारण्य	वैदिक- वेलनैस एक्सपीरिएंश	15.94
2	प्रयागराज	आजाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरिएंश	13.02

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत**	**निर्मुक्त राशि**
1	वाराणसी का विकास -चरण-I	2015-16	18.73	18.73
2	मथुरा-वृंदावन का मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98	10.98
3	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02	9.02
4	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36	9.36
5	वाराणसी का विकास -चरण-II	2017-18	44.60	31.77
6	गोवर्धन में अवसरचंना सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59	30.97

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	2017-18	वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों पर प्रकाश व्यवस्था - 1. दशाश्वमेध घाट से दरबंगा घाट	सीपीडब्ल्यूडी	2.93	2.93

		(300 मीटर की लंबाई) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय			
2.	2014-15	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों पर प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में लालकां का मकबरा और बनारस में मन महल)।	आईटीडीसी	5.12	3.81
3.	2013-14	राय बरेली रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.44	3.55
4.	2013-14	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	5.05	5.05

*****